

## अमृत (अटल कायाकल्प और शहरी परिवर्तन मशिन) योजना

### प्रलिस के लयः

[अमृत](#), [पेयजल सरवेकषण](#), जल के लयः प्ररौद्योगकी उड-मशिन, [राषटरीय जल नीतः](#), [राषटरीय सवचछ गंगा मशिन \(NMCG\)](#), [रवर सटीज अलायंस \(RCA\)](#), [सवचछ भारत मशिन](#), [राषटरीय सवचछ वायु कारयकरम](#), [सारवजनकि-नजी भागीदारी \(PPP\)](#), [कोवडि-19](#), [आयुषमान भारत](#)

### मेन्स के लयः

कार्यानवयन में चुनौतयः, [अमृत योजना को नया रूप देने हेतु कदम](#), प्रकृति-आधारति समाधान, जन-केंद्रति दृषटकीण, [स्थानीय नकियः को सशक्त बनाना](#)

[स्रोत: द हट्टि](#)

## चरचा में कयः?

हाल ही में [अमृत योजना](#) ने जल की गतशीलता और प्रदूषण से संबधति बुनयिदी ढाँचे के मुदों के समाधान में आने वाली चुनौतयः को लेकर ध्यान आकरषति कयः है।

## अमृत योजना क्या है?

### परचयः

- कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लयः अटल मशिन (Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation- AMRUT) 25 जून, 2015 को देश भर के 500 चयनति शहरों में शुरु कयः गया था, जसिमेंलगभग 60% शहरी आबादी को कवर कयः गया।
- मशिन का लक्ष्य बुनयिदी ढाँचे को बढ़ाना और चयनति शहरों कषेत्र में सुधारों को लागू करना है, जसिमें जलापूरति, सीवरेज, जल नकिसी, हरति स्थान, गैर-मोटर चालति परविहन तथा कषमता नरिमाण शामिल हैं।

### अमृत 2.0 योजना:

- यह योजना 1 अक्टूबर, 2021 को शुरु की गई थी, जसिमें 5 वर्ष की अवधयिानी वतितीय वर्ष 2021-22 से वतितीय वर्ष 2025-26 तक के लयः अमृत 1.0 को शामिल कयः गया है।
- इसका उद्देश्य देश के 500 शहरों से लगभग 4,900 वैधानकि कसबों तक जलापूरति की सार्वभौमकि कवरेज और अमृत योजना के पहले चरण में शामिल 500 शहरों में सीवरेज/सेप्टेज प्रबंधन की कवरेज है।
- अमृत 2.0 का उद्देश्य उपचारति सीवेज के पुनरचकरण/पुनः उपयोग, जल नकियः के पुनरुद्धार और जल संरक्षण द्वारशहर जल संतुलन योजना (City Water Balance Plan- CWBP) के वकिस के माध्यम से जल की चकरीय अरथव्यवस्था को बढ़ावा देना है।
- मशिन में शहरी नयोजन, शहरी वतिति को मजबूत करने आदि के माध्यम से नागरकिों के जीवन को आसान बनाने के लयः सुधार एजेंडा भी शामिल है।
- अमृत 2.0 के अन्य घटक:
  - जल के नयायसंगत वतिरण, अपशषिट जल के पुनः उपयोग, जल नकियः के मानचतिरण और शहरों/कसबों के बीच स्वस्थ प्रतसिपरद्धा को बढ़ावा देने के लयः पेयजल सरवेकषण।
  - जल वाले कषेत्र में नवीनतम वैश्वकि प्ररौद्योगकियः का लाभ उठाने के लयः जल हेतु प्ररौद्योगकी उड-मशिन।
  - जल संरक्षण के बारे में जनता में जागरूकता फैलाने के लयः सूचना, शकषिा और संचार (Education and Communication- IEC) अभयान चलाना।

## अमृत 2.0 योजना की स्थति क्या है?

### नधि आवटन:

- मार्च 2023 तक चल रही परियोजनाओं के लिये अमृत 2.0 का कुल परवियय 2,99,000 करोड़ रुपए है।
- **प्रभाव:**
  - AMRUT ने महिलाओं के जीवन पर कई सकारात्मक प्रभाव डाले हैं। पानी लाने में लगने वाले परयासों में कमी आने के कारण अब महिलाएँ अपने समय का अधिक **उत्पादक तरीके (Productive Way)** से उपयोग कर सकती हैं।
  - इससे सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता के कारण **बीमारियों** के भार में भी **कमी** आई है।
- **चुनौतियाँ:**
  - योजना के कार्यान्वयन के बावजूद **अपर्याप्त जल, सफाई और स्वच्छता** के कारण **प्रतिवर्ष लगभग 200,000 लोग मर जाते हैं।**
  - **वर्ष 2016 में भारत में असुरक्षित जल और स्वच्छता के कारण होने वाली बीमारियों का भार प्रतिव्यक्ति चीन की तुलना में 40 गुना अधिक है तथा इसमें बहुत कम सुधार हुआ है।**
  - **नीतिआयोग** की एक रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2030 तक लगभग 21 प्रमुख शहरों में भूजल स्तर समाप्त हो जाएगा, जिससे भारत की 40% आबादी को पेयजल उपलब्ध नहीं हो सकेगा।
    - लगभग 31% शहरी भारतीय घरों में पाइप से पानी की आपूर्ति नहीं होती है, जबकि **67.3% आवासों में पाइप से सीवरेज प्रणाली नहीं जुड़ी हुई है।**

## अन्य नई पहलें

- [प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी \(PMAY-U\)](#)
- [जलवायु स्मार्ट शहर मूल्यांकन ढाँचा 2.0](#)
- [TULIP- शहरी शक्तिषण इंटरनैशपि कार्यक्रम](#)
- [स्मार्ट सटी मशिन \(SCM\)](#)
- [राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मशिन \(NMCG\)](#)
- [रिवर सटीज एलायंस \(RCA\)](#)
- **राष्ट्रीय जल नीति, 2012** शहरी और औद्योगिक क्षेत्रों में, जहाँ भी तकनीकी-आर्थिक रूप से संभव हो, वर्षा जल संचयन और लवणीकरण की वकालत करती है, ताकि उपयोग योग्य जल की उपलब्धता बढ़ाई जा सके।

## AMRUT योजना के कार्यान्वयन में क्या चुनौतियाँ हैं?

- **राज्य परियोजना कार्यान्वयन:** नयिमति रूप से धनराशि जारी किये जाने के बावजूद **बिहार और असम** जैसे राज्यों ने अभी तक परियोजनाएँ पूरण नहीं की हैं या **PPP मॉडल** का उपयोग नहीं किया है, जिसके परिणामस्वरूप अधिकांश राज्यों में कार्यान्वयन 50% से भी कम पूरा हुआ है।
- **AMRUT कार्यक्रम का दायरा:** इस योजना में समग्र दृष्टिकोण के बजाय **परियोजना-केंद्रित दृष्टिकोण** पर जोर दिया गया है।
- **संभावित ओवरलैप और अभिसरण चुनौतियाँ:** **AMRUT और स्वच्छ भारत मशिन** जैसी अन्य योजनाओं के बीच ओवरलैप के परिणामस्वरूप वित्तपोषण आवंटन चुनौतियाँ उत्पन्न हो सकती हैं और वशिष्ट **शहरी मुद्दों को संबोधित करने में कार्यभार बढ़ सकता है।**
- **वायु प्रदूषण की समस्या का समाधान नहीं:** **राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम** इसलिये शुरू किया गया क्योंकि **AMRUT 2.0 के बाद से वायु की गुणवत्ता में गतिवृद्धि जारी रही है, क्योंकि AMRUT 1.0 में केवल पानी और सीवरेज पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिससे वायु गुणवत्ता से संबंधित समस्याएँ अनसुलझी रह गईं।**
- **गैर-समावेशी शासन संरचना:** नरिवाचति नगर सरकारों की **जैविक भागीदारी के बिना यांत्रिक रूप से तैयार की गई योजना, इसे शहरी लोगों के लिये कम समावेशी योजना बनाती है।**

## AMRUT योजना को पुनर्जीवित करने हेतु क्या कदम उठाने की आवश्यकता है?

- **वित्तीय चुनौतियाँ और समाधान:** स्थानीय शहरी नकियों को स्थानीय परियोजनाओं के कार्यान्वयन हेतु **शीर्ष-नमिन वित्तपोषण दृष्टिकोण पर निर्भर रहने के बजाय वित्तीय संसाधनों में विविधता लाने की आवश्यकता है।**
- **समग्र दृष्टिकोण:** जलवायु परिवर्तन, **वर्षा प्रत्यापन और मौजूदा बुनियादी ढाँचे** को ध्यान में रखते हुए शहरी जल प्रबंधन को उभरती चुनौतियों का समाधान करना चाहिये।
  - इस योजना के लिये **प्रकृत आधारित समाधान और जन-केंद्रित दृष्टिकोण तथा स्थानीय नकियों को सशक्त बनाने वाली व्यापक कार्यप्रणाली की आवश्यकता है।**
- **सामुदायिक व्यस्तता:** **गैर-सरकारी संगठनों और निवासी संघों सहित** सामुदायिक समूहों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने से ज़मीनी स्तर से विचार और फीडबैक प्राप्त करके आवास योजनाओं की प्रभावशीलता को बढ़ाया जा सकता है।
- **सफलता की कहानियों से सीखना:** ऐसे सफल **केस का अध्ययन करना, जहाँ स्वच्छता और सफाई में उल्लेखनीय सुधार हुआ, आवास संबंधी पहलों में समान चुनौतियों का समाधान करने के लिये बहुमूल्य अंतरदृष्टि प्रदान कर सकता है।**
  - उदाहरण के लिये दहानु तालुका में **“सभी के लिये जल उपलब्धता”** पहल का उद्देश्य **स्थानीय जनजातीय समुदायों को पीने योग्य जल उपलब्ध कराना था।**
- **नवाचार और अनुसंधान:** **स्वास्थ्य और आवास संबंधी मुद्दों से संबंधित उद्योग-वशिष्ट अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिये नवाचार केंद्रों की स्थापना से नवीन समाधानों और प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा मिल सकता है।**

## दृष्टि भिन्स प्रश्न:

**प्रश्न.** अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मशिन (AMRUT) योजना के कार्यान्वयन में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा कीजिये। इन चुनौतियों से नपिटने के लयि संभावति रणनीतियों का सुझाव दीजयि।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

**??????????:**

**प्रश्न.** आयुष्मान भारत डजिटिल मशिन के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2022)

1. नजिी और सरकारी अस्पतालों द्वारा इसे अपनाना होगा।
2. जैसा कइसका उद्देश्य सार्वभौमकि, स्वास्थय कवरेज प्राप्त करना है, भारत के प्रत्येक नागरकि को अंततः इसका हसिसा होना चाहयि।
3. इसकी देश भर में नरिबाध पोर्टेबलिटि है।

**उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?**

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

**प्रश्न.** नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि : (2011)

भारत में महानगर योजना समति:

1. भारतीय संवधिन के प्रावधानों के अंतरगत गठति होती है।
2. उस महानगरीय क्षेत्र के लयि वकिस योजना प्रारूप तैयार करती है।
3. उस महानगरीय क्षेत्र में सरकार की प्रयोजति योजनाओं को लागू करने का पूरण दायतिव पूरा करती है।

**उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं ?**

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

**??????????:**

**प्रश्न.** भारत में नगरीय जीवन की गुणवत्ता की संक्षपित पृष्ठभूमिके साथ 'स्मार्ट नगर कार्यक्रम' के उद्देश्य और रणनीतबिताइये। (2016)